11.25 लाख ग्रामीण युवाओं को जॉब

जागरण ब्यूरो, पटना : आने वाले वर्षों में बिहार की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बड़ा परिवर्तन आने वाला है। राज्य सरकार चार वर्षों के भीतर करीब 11.25 लाख ग्रामीण युवाओं को जॉब (रोजगार/नौकरी) मुहैया कराने जा रही है। जाहिर है काम मिलेगा तो हालात बदलेंगे।

गुरुवार को ग्रामीण विकास मंत्री नीतीश मिश्र ने मीडियाकर्मियों से कहा कि गरीबी उन्मूलन के लिए किए जा रहे प्रयासों की कड़ी में ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए बड़े पैमाने पर कौशल विकास सह नियोजन से संबंधित कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जा रहा है। 15 प्रक्षेत्र के 59 धंधों के बारे में ट्रेनिंग दी जाएगी। 2017 तक 18 से 35 वर्ष के 15 लाख युवाओं को उनके इलाके में ही मुफ्त प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है। प्रशिक्षण देने वाली एजेंसी 75 फीसद लोगों का प्लेसमेंट कराएगी। गरीब ग्रामीणों को प्रशिक्षण में प्राथमिकता मिलेगी। निःशक्त एवं कमजोर अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों के लिए उम्र सीमा 45 वर्ष निर्धारित की गई है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए ग्रामीण विकास मंत्री ने गुरुवार को 'जीविका स्किल' वेबसाइट का लोकार्पण किया। प्रशिक्षण देने वाली संस्था को वेबसाइट पर निबंधन कराना होगा। उसके बाद उनके आवेदन पर विचार कर प्रशिक्षण देने के लिए उसका चयन किया जाएगा। करीब 40 एजेंसियों ने इसमें दिलचस्पी दिखाई है। मार्च में प्रशिक्षण आरंभ हो जाएगा। इस मौके पर ग्रामीण विकास सचिव अमृत लाल मीणा, जीविका के निदेशक अरविंद चौधरी भी मौजूद थे।

बोले ग्रामीण विकास मंत्री

चार साल में 25 से 35 साल के 15 लाख युवाओं को प्रशिक्षण

नीतीश मिश्रा ने किया वेबसाइट का शुभारंभ

40

एजेंसियों ने इसमें दिलचस्पी दिखाई है। मार्च में प्रशिक्षण आरंभ हो जाएगा।

जीविका स्किल का लक्ष्य

- 15 प्रक्षेत्र के 59 धंधों के बारे में ट्रेनिंग दी जाएगी।
- 2017 तक 18 से 35 वर्ष के 15 लाख युवाओं को उनके इलाके में ही मुफ्त प्रशिक्षण।
- प्रशिक्षण देने वाली एजेंसी 75 फीसद लोगों का प्लेसमेंट कराएगी
- गरीब ग्रामीणों को प्रशिक्षण में प्राथमिकता मिलेगी
- निःशक्त एवं कमजोर अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों के लिए उम्र सीमा 45 वर्ष निर्धारित

क्या करना होगा एजेंसियों को

प्रशिक्षण देने वाली संस्था को वेबसाइट पर निबंधन कराना होगा।

संस्थाओं के आवेदन पर विचार कर प्रशिक्षण देने के लिए किया जाएगा चयन।

रिसोर्स सेंटर

प्रशिक्षण के बाद प्लेसमेंट पाने वालों को परेशानी न हो इसके लिए माइग्रेशन रिसोर्स सेंटर गुड़गांव में खुला है। अन्य क्षेत्रों में भी खोले जाएंगे। वहां रहने, परिचय पत्र, बैंक खाता खोलने, मालिक द्वारा परेशान किए जाने जैसी समस्याओं को इसके द्वारा जीविका के प्रतिनिधि निराकरण किराया जाएगा।

बायोमीट्रिक हाजिरी व ट्रेकिंग

jeevikaskillsmis.com

प्रशिक्षण पाने वाले और देने वाले दोनों की बायोमीट्रिक सिस्टम से हाजिरी बनेगी। प्रशिक्षण पूरा करने और प्लेसमेंट के बाद एक साल तक ट्रेकिंग की जाएगी कि वहां कहां और किस कंपनी में काम कर रहा है। मंत्री ने कहा कि पहले से जीविका के तहत प्रशिक्षण का काम चल रहा है। प्रशिक्षण के बाद 20 हजार लोगों का प्लेसमेंट हो चुका है। अब तक एक लाख युवाओं का डाटा बेस एकत्र किया जा चुका है। इसमें 42655 का डिजिटल डाटा बेस उपलब्ध है। अभी राज्य के 12 जिलों में 9 एजेंसियों द्वारा 44 प्रशिक्षण केंद्र संचालित हैं।